Shortfall in Industrial production due to short supply of Coal

4644. SHRI MOHINDER SINGH LATHER: Will the Minister of COAL be pleased to state:

(a) whether it is a fact that due to short supply of coal to industries there is heavy short fall in their production;

(b) if so, the names of these industries; and

(c) the steps being taken to restore the supply of coal to the affected industries?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COAL (SHRI S. B. NYAMAGOUDA): (a) to (c) The revised demand for coal for the year 1992 was fixed at 235.2 million tonnes. Against this, the actual supplies have been 222.85 million tonnes, which work out to a satisfaction of 94.4 per cent. Thus, there was a shortfall of 5.6 per cent in meeting the revised demand during 1991-92. Similarly, pro-rata demand for the period April-June, 1992 has been worked out at 58.31 million tonnes against which the supplies have been 53.98 million tonnes indicating a satisfaction of 92.5 per cent and a shortfall of 7.5 per cent The shortfall in 1991-92 was mainly confined to steel and cement industries.

Coal companies have taken several steps to enhance supplies of coal to consumers. The system and procedures for supply of coal are being streamlined. Consumers can obtain their coal requirements by road upto 1000 M.T. at a time from specified collieries without any sponsorship. In addition, 20 million tonnes of pithead stocks are also being offered to customers with preference to actual users. Coal stockyards are being activised. Further, Consumers Councils have been set up at regional and national levels to look into specific grievances of coal consumers.

Negative growth of production of Coal

4645. SHRI MOHINDER SINGH LATHER: Will the Minister of COAL be pleased to state:

(a) whether there has been negative growth of production of coal in coal mining States during the last three years;

(b) if so, the details thereof;

(c) what are the reasons for such a negative growth; and

(d) the steps being taken by Government to remedy the situation in this regard?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COAL (SHRI S. B. NYAMAGOUDA): (a) to (d) Statewise coal production in the country during last three years was as under:

(million tonnes)

State	1989-90	1990-91	1991-92 (provisional)
Andhra Pradesh	17·80	17·71	20·58
Assam	0·84	0·68	0·95
Bihar	66·58	67·49	69·17
Orissa	13·25	16·27	20·70
Madhya Pradesh	62·30	65·35	69·19

Maharashtra	16·34	16·85	18·88
Uttar Pradesh	6·17	10·38	11·70
West Bengal	17·61	17·00	18·12
TOTAL	200·89	211·73	229·29

जबलपुर जिले में कोयला डिपो की नियुक्ति

4646. श्री शिव प्रताप मिश्र : क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि जबलपुर जिले के कुन्डस विकास खण्ड मुख्यालय में मुकेश कोल डिपो को कोयला वितरक बनाया गया है ;

(ख) यदि हां, तो इस डिपो से कुन्डस खण्ड के किन-किन उपभोक्ताओं को किस-किस महीने में कितना-कितना कोयला उपलब्ध कराया गया ;

(ग) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि इस डिपो के नाम पर प्राप्त किया जाने वाला सारा कोयला चोरी-छिपे शहरों में कालाबाजार में भेज दिया जाता है ;

(घ) इस डिपो को कोल इंडिया लि० की किस सहायक कंपनी द्वारा कोयले की पूर्ति की जाती है ; और

(ङ) क्या फर्जी डिपो संचालक और कोयले की पूर्ति करने वाली कंपनी के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी ?

कोयला मंत्रालय में उप मंत्री (श्री एस० बी० नयमेगौडा) : (क) साउथ ईस्टर्न कोल फील्ड्स लि० ने सूचित किया है कि उन्होंने जबलपुर जिले में कुन्डास ब्लाक में मुकेश कोल डिपो को कोयले के वितरक के रूप में नियुक्त नहीं किया है । कोयले के डिपो का प्रायोजन मध्य प्रदेश राज्य सरकार के उद्योग विभाग द्वारा किया जा रहा है और उनकी सिफारिश पर ही मध्य प्रदेश में डिपो धारकों को कोयला जारी किया जा रहा है ।

(ख) जनवरी, 1991 से दिसम्बर, 91 की अवधि के दौरान प्रतिमाह मुकेश कोल डिपो, जबलपुर को 22 मिट्रिक टन की दर से कोयले की मात्रा जारी की गई । वर्ष 1992 के दौरान कोयले की आपूर्ति नहीं की गई, चूंकि राज्य सरकार के प्राधिकारियों की ओर से कोई प्रायोजन नहीं किया गया था । साउथ ईस्टर्न कोल फील्ड्स लि० को ऐसे उपभोक्ताओं के नाम की जानकारी नहीं है, जिन्हें मुकेश कोश डिपो, जबलपुर द्वारा कोयले की आपूर्ति की गई थी, चूंकि ऐसे मामलों में ठीक वितरण का सुनिश्चय किए जाने की जिम्मेदारी राज्य सरकार के प्राधिकारियों की थी ।

(ग) जी, नहीं । चूंकि कोल डिपो की कोयले की आपूर्ति राज्य सरकार के प्राधिकारियों की सिफारिशों पर की जाती है, आपूर्ति किए गए कोयले के अंतिम उपयोग के बारे में भी राज्य सरकार के प्राधिकारियों द्वारा निगरानी रखी जाती है ।

(घ) साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि० इस डिपो को कोयले की आपूर्ति कर रहा था ।

(ङ) साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि० द्वारा दी गई सूचना के अनुसार वर्ष 1992 के दौरान इस डिपो से कोयले की कोई आपूर्ति नहीं की जा रही है । साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि० को यह सलाह भी दी जा रही है कि वे राज्य सरकार के नोटिस में इस डिपो के विरुद्ध शिकायतें आवश्यक कार्यवाई हेतु लाएं ।